



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 384]
No. 384]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 8, 1985/श्रावण 17, 1907
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 8, 1985/SRAVANA 17, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1985

आदेश

का.आ. 596(अ).—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 641 (अ), तारीख 10 नवम्बर, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, इलाको हाउस (दूसरी मजिल) 1 और 3, ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता-700001 को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मैसर्स डा० पाल लोहमान (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 10 नवम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और, केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ० 793 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1981, सं० का. आ. 312 (अ), तारीख 8 मई, 1982, का. आ. 789(अ), तारीख 9 नवम्बर, 1982, का. आ. 801(अ), तारीख 10 नवम्बर 1983, का. आ. 364 (अ), तारीख 8 मई, 1984, का. आ. 825 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1984, का. आ. 926 (अ), तारीख 7 दिसम्बर, 1984 और का. आ. 104(अ), तारीख 8 फरवरी, 1985 द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुज्ञा से उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 8 अगस्त, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छः वर्ष और नौ मास की अवधि के लिए करने रहने के लिए समय-समय पर निदेश दिए थे;

और, केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जन साधारण के हित में यह समीचीन था कि उक्त प्राधिकृत

व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त छ. वर्ष और नौ मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् भी करता रहे, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उपधारा (2) के परन्तुक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को आवेदन किया था, और उसमें ऐसे प्रबन्ध को दो मास की और अवधि के लिए बनाए रखने के लिए प्रार्थना की थी;

आर उक्त उच्च न्यायालय ने, अपने आदेश तारीख 6 अगस्त, 1985 द्वारा उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 2 मास की और अवधि के लिए करने रहने की अनुज्ञा दे दी थी,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 2 मास तक, जिसमें 8 अक्तूबर, 1985 की तारीख भी सम्मिलित है की अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. स. 4(2)/80 सी यू एस]

ए. पी. सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 8th August, 1985

ORDER

S.O. 596(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 641(F), dated the 10th November, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the West Bengal Pharmaceutical and Phytochemical Development Corporation Limited, Ilaco House, (2nd Floor), 1 and 3, Brabourne Road, Calcutta-700001, (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Dr. Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta

(hereinafter referred as the said industrial undertaking), for a period of three years commencing on the 10th November, 1978;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 793(E), dated the 9th November, 1981, S.O. 312(E), dated the 8th May, 1982, S.O. 789(E), dated the 9th November, 1982, S.O. 801(E), dated the 10th November, 1983, S.O. 364(E), dated the 8th May, 1984, S.O. 825(E), dated the 9th November, 1984, S.O. 926(E), dated the 7th December, 1984, and S.O. 104(F), dated the 8th February, 1985, the Central Government, with the permission of the High Court at Calcutta under section 18FA of the Industries (Development and Regulation Act, 1951 (65 of 1951), had from time to time directed the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a period of six years and nine months, upto and inclusive of the 8th August, 1985;

And, whereas the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interest of the general public that the said authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after the expiry of the said period of six years and nine months, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act to the High Court at Calcutta praying for the continuance of such management for a further period of two months;

And, whereas, the said High Court, by its order dated the 6th August, 1985, permitted the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso, to sub-section (2) of section 18FA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of two months upto and inclusive of the 8th October, 1985.

[File No. 4(2)/80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt Secy.